STD: X
SUB: II Lang Hindi

MARCH MONTH NOTES

साखी - कबीर

प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है?

उ० मीठी वाणी जीवन में आत्मिक सुख व शांति प्रदान करती है। इसके प्रभाव से मन में स्थित शत्रुता, कटुता व आपसी ईर्ष्या - द्वेष के भाव समाप्त हो जाते हैं। इसलिए हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए कि जिसे सुनकर लोग आनंद की अनुभूति करें।

2. दीपक दिखाई देने पर अंधियारा कैसे मिट जाता है? साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उ० कवि के अनुसार जिस प्रकार दीपक के जलने पर अंधकार अपने - आप दूर हो जाता है, उसी प्रकार ज्ञानरूपी दीपक के हृदय में जलने पर अज्ञानरूपी अंधकार समाप्त हो जाता है। यहाँ दीपक ज्ञान का प्रतीक है अंधियारा अज्ञान का प्रतीक है।

3. ईश्वर कण - कण में व्याप्त है, पर हम उसे क्यों नहीं देख पाते?

उ० ईश्वर संसार के कण - कण में व्याप्त है परंतु हम उसे देख नहीं पाते, क्योंकि हमारा अस्थिर मन सांसारिक विषय - वासनाओं, अज्ञानता, अंहकार और अविश्वास से घिरा रहता है। जिस प्रकार कस्तूरी नामक सुगंधित पदार्थ मृग की नाभि में होता है, और वह उसे जंगल में खोजता-भटकता है उसी प्रकार ईश्वर हमारे हृदय में निवास करते हैं परंतु हम उन्हें अज्ञानता के कारण मंदिरों, मस्जिदों, गिरिजाघरों व गुरुद्वारों में व्यर्थ में ही खोजते रहते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

4. कबीरदास क्यों दुखी हैं?

उ० कबीरदास जिस निराकार ब्रह्म का चिंतन करते हैं, उसे पाना चाहते हैं। सांसारिक सुखों से उन्हें कोई सरोकार नहीं। उन्हें अपने जीवन का उद्देश्य ज्ञात हो चुका है। इसलिए वे दुखी हैं।

5. कबीर दास ने निंदक को सदैव अपने साथ रखने की सलाह क्यों दी है?

उ० कबीरदास के अनुसार निंदक को हमेशा अपने पास रखना चाहिए। हो सके तो अपने घर के आँगन में में एक कुटिया बनाकर देना चाहिए ताकि वह निंदा भरी बातों से हमारे स्वभाव की कमियों को दर्शाएगा, जिससे हम बिन साबुन और पानी के अपने स्वभाव को सुधार सकते हैं।

बड़े भाई साहब

प्रेमचंद

1) कथा नायक की रुचि किन कार्यों में थी?

उ० कथा नायक की रुचि पढ़ाई- लिखाई की अपेक्षा खेलकूद में थी।

2. बड़े भाई को अपनी मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ी?

उ० बड़े भाई साहब को अपनी मन की इच्छाएँ इसलिए दबानी पड़ी क्योंकि अपने छोटे भाई की देखभाल की जिम्मेदारी उन पर थी। उनका कर्तव्य है कि वह अपने भाई को अनुशासन में रखे। वे छोटे भाई को सही राह दिखाने के लिए उसके समक्ष अपना आदर्श

Scanned with OKEN Scanner

उदाहरण प्रस्तुत करना चाहते थे।

3. बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए?

उ० * अध्ययनशील व गंभीर प्रवृत्ति
* घोर परिश्रमी
* वाक्पटु
* संयमी व कर्तव्यपरायण
* उपदेश देने की कला में निपुण
* बड़ों का आदर

उपर्युक्त गुण बड़े भाई साहब में विद्यमान थे। वे सलाह देने में बहुत चतुर अथवा बहुत परिश्रम करते थे। छोटे भाई की रक्षा करना अपना परम कर्तव्य समझते थे।

4. बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायदार बने? आशय स्पष्ट कीजिए।

उ० इस कथन के माध्यम से लेखक द्वारा बड़े भाई साहब के फेल होने पर व्यंग्य किया है। जिस प्रकार किसी भी भवन की मजबूती उसकी बुनियादी अर्थात नींव पर आधारित होती है। ठीक उसी प्रकार बड़े भाई भी तालीम रुपी भवन की सुदृढ़ बुनियाद डालना चाहते थे ताकि उस पर आलीशान व सुंदर भवन बन सके।

5. बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में कितने बड़े थे और वे कौन सी कक्षा में पढ़ते थे?

उ० बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में पाँच साल बड़े थे और वे नवी कक्षा में पढ़ते थे।

Scanned with OKEN Scanner

हरिहर काका

मिथिलेश्वर

1. हरिहर काका और कथावाचक के बीच कैसा संबंध था उसके क्या कारण थे?

उ० हरिहर काका और कथावाचक के बीच गहरा संबंध था। दोनों एक ही गाँव के निवासी थे। कथावाचक हरिहर काका के पड़ोसी थे, सुख-दुख में वे हमेशा साथ रहे। वे पिताजी की भांति कथावाचक को अपने कंधों पर बैठकर घुमाया करते थे। वही दुलार बड़ा होने पर दोस्ती में बदल गया।

2. हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?

उ० हरिहर काका एक निःसंतान व्यक्ति थे। उनके पास पंद्रह बीघा जमीन थी। महंत हरिहर के जमीन को हथियाना चाहते थे। उसकी नज़र सिर्फ हरिहर की जायज़ाद को किसी भी तरह ठाकुरबारी के नाम करवाना। हरिहर के भाई उनका सम्मान सिर्फ जमीन के कारण ही करते हैं। इसलिए लेखक को ऐसा लगा कि दोनों एक ही श्रेणी के हैं।

3. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं - कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उ० हरिहर काका जानते हैं कि जब तक उनकी जमीन-जायदाद उनके पास है, तब तक सभी उनका आदर करते हैं। हरिहर काका ऐसे कई लोग को जानते हैं, जिन्होंने अपने जीते जी अपनी

जमीन किसी और के नाम लिख दी थी। बाद में उनका जीवन नरक बन गया था। वे नहीं चाहते थे कि उनके साथ भी ऐसा हो।

4 हरिहर काका को जबरन उठाकर ले जाने वाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया?

उ० हरिहर काका को जबरन उठाकर ले जाने वाले ठाकुरबारी के महंत के भेजे हुए आदमी थे। वे ठाकुरबारी के साधु संत और महंत के पक्षधर थे। वे लोग भाला, गँडासा, डंडे से लैस होकर आधी रात के समय हरिहर काका को जबरदस्ती अपनी पीठ पर लादकर ले गए।

5. यदि आपके आस-पास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करेंगे?

उ० यदि हमारे घर के आस-पास हरिहर काका जैसी दशा में कोई मिलेगा तो हर संभव उसकी मदद करेंगे। उनके परिवार वाले को समझाएँगे कि वे उस व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार न करें, उसे प्यार, सम्मान और अपनापन दें। पुलिस को उनकी खबर देंगे, मिडिया भी सहयोग करे और उस व्यक्ति को इंसाफ दिलवाए।

Scanned with OKEN Scanner

APRIL MONTH NOTES

डायरी का एक पन्ना

सीताराम सेकसरिया

प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. कलकत्तावासियों के लिए 26 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था?

उ० कलकत्तावासियों के लिए 26 जनवरी 1931 का दिन इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि आज के ही दिन सारे हिन्दुस्तान में स्वतंत्रता की वर्षगाँठ के रूप में मनाया जा रहा था। इस दिन कलकत्तावासियों को स्वयं को देशभक्त सिद्ध करने का मौका मिल रहा था।

2. पुलिस ने बड़े-बड़े पार्कों तथा मैदानों को क्यों घेर लिया था?

उ० पुलिस कमिश्नर यह नहीं चाहते थे कि सभा में भाग लेने वाले कार्यकर्ता और जनता एकजुट होकर झंडा फहराए और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़े। इसलिए पुलिस ने बड़े-बड़े पार्कों को और मैदानों को घेर लिया था।

3. निम्नलिखित वाक्यों को सरल वाक्यों को बदलिए:

(क) दो सौ आदमियों का जुलूस लाल बाजार गया और वहाँ पर गिरफ्तार हो गया।

उ०- दो सौ आदमियों का जुलूस लाल बाजार जाकर गिरफ्तार हो गया।

4. धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया?

उ० सुभाष बाबू के नेतृत्व में जुलूस पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रहा था। थोड़ा आगे बढ़ने पर पुलिस ने सुभाष बाबू को पकड़ लिया और गाड़ी में बिठाकर

Scanned with OKEN Scanner

लाल बाज़ार के लॉकअप में भेज दिया। जुलूस में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों पर पुलिस ने लाठियाँ बरसानी शुरु कर दी थीं। बहुत से लोग बुरी तरह घायल हो चुके थे। पुलिस की बर्बरता के कारण जुलूस बिखर गया था। पुलिस ने उन्हें पकड़कर लाल बाज़ार भेज दिया था।

5. पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल की नोटिस में क्या अंतर था?

उ० पुलिस कमिश्नर द्वारा निकाले गए नोटिस में लिखा था कि अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं हो सकती। सभी कार्यकर्ताओं को नोटिस दे दिया गया कि यदि कोई सभा में भाग लेगा तो दोषी समझा जायेगा। इधर कौंसिल की ओर से नोटिस निकला कि हर को सभा में भाग लेना जरुरी है, ठीक 4 बजकर चौबीस मिनिट पर मोनूमेंट के नीचे झंडा फहराया जाएगा और प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सर्व साधारण की उपस्थिति होनी चाहिए।

मीरा के पद

1. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है? स्पष्ट कीजिए।

उ० मीरा श्रीकृष्ण को सर्वस्व समर्पित कर चुकी थी इसलिए वे केवल कृष्ण के लिए कार्य करना चाहती थी। श्रीकृष्ण की समीपता व दर्शनता हेतु उनकी दासी बनना चाहती थी। वह दासी बनकर श्रीकृष्ण के लिए बाग लगाना चाहती है। वृंदावन की गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती है। इस प्रकार श्री कृष्ण का गुणगान कर दर्शन, नाम स्मरण और भाव-भक्ति रुपी जागीर प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती है।

Scanned with OKEN Scanner

2. मीराबाई ने श्रीकृष्ण की रूप-सौंदर्य का वर्णन किस-प्रकार किया है?

उ० - मीराबाई ने श्रीकृष्ण रूप-सौंदर्य का अलौकिक वर्णन किया है। श्रीकृष्ण के शरीर पर पीले वस्त्र सुशोभित हो रहे हैं, सिर पर मोर मंख मुकुट सुशोभित हो रहा है। गले में वैजयंती माला उनके सौंदर्य में चार चाँद लगा रहा है। वे बाँसुरी बजाते हुए अत्यंत सुंदर दिखते हैं।

3. पद्य में 'हरि' का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

उ० पद्य मे हरि का प्रयोग श्रीकृष्ण के लिए हुआ है।

4. 'कुसुम्बी' का तात्पर्य क्या है?

उ० कुसुम्बी का तात्पर्य गहरा लाल है।

5. 'हरि आप हरो जन री भीर,
द्रौपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्‍यो आप सरीर।।
आशय स्पष्ट कीजिए।

उ० <u>भावार्थ</u> : मीराबाई ने कृष्ण से अपने कष्टों को दूर करने का आग्रह किया है। मीरा के अनुसार श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की लाज बचाने के लिए चीर बढ़ाया था। भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए नरसिंह का अवतार धारण किया था। इस पद के माध्यम से मीरा कृष्ण से कहना चाहती है कि प्रभु! जब भी आप अपने भक्त की रक्षा करना चाहते हैं, आप उस रूप का धारण कर उसके कष्टों का हरण करते हैं। उसी प्रकार मीरा के कष्टों को भी दूर कीजिए।

Scanned with OKEN Scanner

मनुष्यता

मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्नों के उत्तर लिखिए;

1. कवि ने सुमृत्यु किसे कहा है?

उ० कवि ने सुमृत्यु उसे कहा है, जो सद्गुणों के कारण मरने के बाद जिसे लोग याद करें।

2. उदार व्यक्तियों की क्या पहचान होती है?

उ० उदार व्यक्तियों की पहचान यह है –
(i) जो दूसरों के लिए जीता है।
(ii) जो दूसरों की भलाई में सर्वस्व त्याग दे।
(iii) जो अपना सुख दूसरों के लिए त्याग दे।

3. 'मनुष्य मात्र बंधु है' से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उ० कवि के अनुसार ईश्वर सर्वत्र व्याप्त है और सभी मनुष्यों में ईश्वर का अंश है। वह मनुष्यों की सहायता मनुष्य के रूप में ही करता है। हमें छोटे-बड़े, ऊँच-नीच, रंग-रूप, जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए। विश्व के सभी लोग भाई और बंधु हैं। कोई भी हमारा शत्रु नहीं है। एक दूसरे की सहायता करनी चाहिए।

4. 'मनुष्यता' कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता था/है?

उ० मानव जीवन एक विशिष्ट जीवन है क्योंकि मनुष्य के मन में प्रेम, त्याग, बलिदान, परोपकार का भाव होता है। अपने से पहले दूसरों की चिंता करते हुए अपनी शक्ति अपनी बुद्धि और अपनी वैचारिक शक्ति का सदुपयोग करना मानव का कर्तव्य है। कवि मानवीय एकता, सहानुभूति, सद्भाव, उदारता और करुणा

Scanned with OKEN Scanner

का संदेश देना चाहता है। नि: स्वार्थ भाव से जीवन जीना, दूसरों के काम आना व स्वयं ऊँचा उठने के साथ-साथ दूसरों को भी ऊँचा उठना ही 'मनुष्यता' का वास्तविक अर्थ है।

5. बुद्ध की दया पर लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उ० बुद्ध की दया का लोगों पर जबरदस्त प्रभाव पड़ा। वे विनम्र होकर उनके अनुयायी हो गए।

तँतारा - वामीरो की कथा

लीलाधर मंडलोई

प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1. तताँरा - वामीरो कहाँ की कथा है?

उ० तताँरा - वामीरो एक लोककथा है। यह देश के उन द्वीपों की कथा है जो आज लिटिल अंदमान और कार निकोबार नाम से जाने जाते हैं, कहते हैं कि कभी ये दोनों द्वीप एक थे।

2. क्रोध में तताँरा ने क्या किया?

उ० तताँरा ने अपनी क्रोध में पूरी ताकत से तलवार को धरती में घोंप दिया। वह पूरी ताकत से उस तलवार को अपनी ओर खींचने लगा। द्वीप के अंतिम छोर तक तलवार को खींचने से द्वीप दो टुकड़ों में विभक्त हो गया।

3. तताँरा - वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

उ० तताँरा - वामीरो की त्यागमयी मृत्यु व्यर्थ न गई। निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँव में भी अपनी वैवाहिक संबंध स्थापित करने लगे। उनकी मृत्यु शायद इसी सुखद परिणाम के लिए हुई थी।

Scanned with OKEN Scanner

4. वाक्यों के रेखांकित पदबंधों का प्रकार बताइए :

(क) उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था।

उ० विशेषण पदबंध

(ख) ततँरा को मानो कुछ होश आया।

उ० क्रिया पदबंध

(ग) वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता।

उ० क्रियाविशेषण पदबंध

(घ) ततँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

उ० विशेषण पदबंध

5. "बास आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।" आशय स्पष्ट कीजिए।

उ० ततँरा वामीरो को पहली ही नज़र में बेहद प्रेम करने लगा था। वह उसकी प्रतीक्षा में अपने जीवन की संपूर्ण आस लगाए बैठा था। उसने उसे पुन: साँझ को समुद्री चट्टान पर आने के लिए कहा था। अत: वह छटपटाते हुए अधीरता से उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। उसके मन में एक आशंका यह भी थी कि कहीं वामीरो न आए। इस आशंका से उसका मन काँप उठता था, परंतु साथ ही एक आशा की किरण भी थी। ततँरा इस उधेड़बुन में बैठा हुआ था और आशा-निराशा के बीच झूलते हुए अपने प्रेम के सफल होने की कामना कर रहा था।

Scanned with OKEN Scanner